देहरादून (उत्तराखण्ड)
सोमवार 16.06.2025
समय 07.20

मुख्य समाचार :–

- वायुयान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो रुद्रप्रयाग में हुई हेलीकॉप्टर दुर्घटना की उच्च स्तरीय जांच करेगा।
- केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने नवाचार सुगमता और अनुसंधान सुगमता को बढ़ाने के लिए सरकार की कई महत्वपूर्ण नीतिगत सुधारों की घोषणा की।
- स्वास्थ्य मंत्री धन सिंह रावत ने कहा– प्रदेश के जिला अस्पतालों, उप जिला अस्पतालों सहित मेडिकल कॉलेजों को सम्पूर्ण चिकित्सा सेवा प्रदाता बनाया जाएगा।
- म्पावत में आयोजित उत्तर भारत का प्रसिद्ध मां पूर्णागिरि मेला सम्पन्न।

हेली दुर्घटना–उच्च स्तरीय जांच

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रुद्रप्रयाग में कल सुबह हुई हेलीकॉप्टर दुर्घटना की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। इस दुर्घटना की जांच वायुयान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो करेगा। इसके साथ ही, राज्य में हेली सेवाओं के संचालन के लिये आगामी समय के लिए सख्त प्रशासनिक और तकनीकी मानक संचालन प्रक्रिया तैयार करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री आवास में आयोजित एक बैठक के दौरान श्री धामी ने कहा कि प्रदेश में हेली उड़ानों के बेहतर समन्वय और सुरक्षित संचालन के लिए देहरादून में एक साझा "नियंत्रण एवं समन्वय केंद्र" की स्थापना की जाएगी। इस केंद्र में डीजीसीए, आपदा प्रबंधन विभाग, नागरिक उड्डयन विभाग, यूकाडा तथा हेली ऑपरेटर कंपनियों के अधिकारी तैनात किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि गृह सचिव, उत्तराखंड की अध्यक्षता में एक समिति गठित की जाए, जिसमें डीजीसीए, यूकाड़ा, भारत सरकार, नागरिक उड्डयन विभाग और एटीसी के प्रतिनिधि सदस्य के रूप में शामिल होंगे। यह समिति जनसुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए एक व्यापक मानक प्रचालन नियमावली का प्रारूप तैयार करेगी और अपनी रिपोर्ट सितंबर माह से पूर्व प्रस्तुत करेगी।

श्री धामी ने स्पष्ट किया कि उड़ान की अनुमति केवल उन्हीं पायलटों को दी जाएगी, जिन्हें उच्च हिमालयी क्षेत्रों में हेलीकॉप्टर उड़ाने का दीर्घकालिक अनुभव हो। साथ ही, उन्होंने डीजीसीए द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों को और अधिक कठोर बनाने तथा उनका पूर्णतः अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

प्रधानमंत्री–मुख्यमंत्री फोन वार्ता– दुर्घटना जानकारी

इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, ने साइप्रस से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से फोन पर हेलीकॉप्टर दुर्घटना के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। प्रधानमंत्री ने इस दुखद घटना में दिवंगत हुए लोगों के प्रति गहरी संवेदना और शोक व्यक्त किया और केंद्र सरकार की ओर से हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।

नीति घोषणा

केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ जितेन्द्र सिंह नवाचार सुगमता और अनुसंधान सुगमता में सुधार के लिए एक नीति की घोषणा की है, जिससे देशभर के संस्थानों और वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं तथा नवाचारकों को बहुप्रतीक्षित राहत मिलेगी। डॉ सिंह ने कल नई दिल्ली में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इस कदम से वैज्ञानिकों का भरोसा बढेगा।

घोषित किए गए निर्णयों में महत्वपूर्ण यह है कि खरीद शक्ति सांस्थानिक प्रमुखों में निहित कर दी गई जिससे वे अब वैश्विक स्तर पर 200 करोड रूपये तक की निविदा को मंजूरी दे सकेंगे। सरकार ने प्रत्यक्ष खरीद की सीमा एक लाख से बढाकर दो लाख कर दी है। इसके अलावा विभागीय समिति के माध्यम से होने वाली खरीद को भी एक से दस लाख रूपये से बढाकर दो से 25 लाख कर दी गई है। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि आने वाले वर्षो में अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का भारत की विकासगाथा में महत्वपूर्ण स्थान होगा।

जानकारी साझा

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने कल देहरादून में जिले के किसानों से संवाद किया और केंद्र सरकार की कृषि योजनाओं की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि कृषि यंत्रीकरण योजना के तहत किसानों को 80 प्रतिशत तक अनुदान दिया जा रहा है और इस योजना की प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन किया गया है।

संवाद के दौरान किसानों ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत ऐसे किसानों को भी लाभ देने की मांग की, जो जीरो आईटीआर फाइल करते हैं। साथ ही जंगली जानवरों से फसलों की सुरक्षा के लिए फसल घेरबाड़ योजना शुरू करने का आग्रह भी किया गया।

इससे पहले, उत्तराखंड आगमन पर कृषि मंत्री गणेश जोशी ने केंद्रीय राज्य मंत्री का स्वागत किया। दोनों मंत्रियों के बीच उत्तराखंड को बागवानी का अंतरराष्ट्रीय हब बनाने और पहाड़ों में खेतों की घेरबाड़ के लिए केंद्र सरकार से सहयोग पर चर्चा हुई। केंद्रीय मंत्री ने भरोसा दिलाया कि इन विषयों पर केंद्र सरकार की ओर से जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

सम्पूर्ण चिकित्सा सेवा प्रदाता

स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ कर प्रदेश के जिला अस्पतालों, उप जिला अस्पतालों सहित मेडिकल कॉलेजों को सम्पूर्ण चिकित्सा सेवा प्रदाता बनाया जाएगा। इसके लिए विभागीय अधिकारियों को अस्पतालों के सुदृढ़ीकरण का खाका तैयार करने के निर्देश दिये गये हैं।

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बताया कि राज्य सरकार प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण को लेकर प्रयासरत है ताकि आम जनमानस को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं दी जा सकें। उन्होंने बताया कि पिछले दिनों उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं के सुधारीकरण को लेकर शासन में उच्च स्तरीय

बैठक ली, जिसमें मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन सहित सचिव वित्त और स्वास्थ्य विभाग के आलाधिकारी मौजूदा थे।

बैठक में अधिकारियों को जिला अस्पतालों, उप जिला अस्पतालों सहित मेडिकल कालेज में आने वाले शत–प्रतिशत मरीजों को उपचार सुनिश्चित करने और रैफर व्यवस्था पर अंकुश लगाने को भी कहा गया है। विशेष परिस्थिति में ही मरीजों को हायर सेंटर रैफर करने के निर्देश दिये गये।

पूर्णागिरी मेला संपन्न

चम्पावत में आयोजित उत्तर भारत के प्रसिद्ध मां पूर्णागिरि मेले का कल विधिवत समापन हो गया। तीन महीने चले इस मेले में 20 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किये। ठुलीगाड़ कार्यक्रम स्थल पर आयोजित समापन समारोह में जिलाधिकारी नवनीत पांडे ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों, सुरक्षा कर्मियों और पर्यावरण मित्रों को प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया। उन्होंने सभी के सहयोग और सेवा भावना की सराहना करते हुए कहा कि कठिन परिस्थितियों में भी मेला शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

जिलाधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशानुसार मेला क्षेत्र में पेयजल, स्वास्थ्य, विद्युत, संचार, पार्किंग, हेलीपैड और सुविधा केंद्रों के निर्माण के लिए मास्टर प्लान तैयार किया जा रहा है।

कांवड मेला–तैयारियां

हरिद्वार जिला प्रशासन ने आगामी श्रावण मास में आयोजित होने वाले कांवड़ मेले की तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसी कड़ी में पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने गंगनहर थाना क्षेत्र की सालियर चौकी में यातायात और कानून–व्यवस्था का स्थलीय निरीक्षण किया।

पुलिस अधीक्षक हरिद्वार ग्रामीण, शेखर चंद्र सुयाल ने स्थानीय पुलिसकर्मियों और चौकी प्रभारियों के साथ कांवड़ मेले के दौरान संभावित चुनौतियों पर विस्तार से विचार–विमर्श किया। उन्होंने कहा कि कांवड़ मेला एक धार्मिक आस्था का पर्व है, जिसमें लाखों श्रद्धालु हरिद्वार से गंगाजल लेकर अपने–अपने गंतव्यों की ओर रवाना होते हैं। ऐसे में सुरक्षा और यातायात व्यवस्था में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

पुलिस अधीक्षक ने हाईवे, मुख्य मार्गों और गंगनहर पटरी मार्ग पर सफाई, बैरिकेडिंग, सीसीटीवी कैमरे और मेडिकल सहायता केंद्रों की व्यवस्था की समीक्षा के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस बार मेले में अत्यधिक भीड़ की संभावना है, इसलिए गंगनहर क्षेत्र के प्रत्येक महत्वपूर्ण स्थान पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। चौक–चौराहों और एंट्री प्वाइंट्स पर प्रशिक्षित सुरक्षाकर्मी मौजूद रहेंगे।

यातायात नियंत्रण के लिए डायवर्जन प्लान तैयार कर लिया गया है, जिसे शीघ्र ही सार्वजनिक किया जाएगा। साथ ही थाना क्षेत्र को जोन और सेक्टर में विभाजित किया गया है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई की जा सके।

और अब एक नजर आज के समाचार पत्रों की सुर्खियों पर...

केदारनाथ–गौरकुंड के बीच हेलीकॉप्टर दुर्घटना की खबर को सभी समाचार पत्रों ने प्रमुखता से प्रकाशित किया है। दैनिक जागरण का शीर्षक है– केदारघाटी में काला सवेरा, हेलीकॉप्टर दुर्घटना में पायलट समेत सात की मौत। अमर उजाला ने लिखा है– उच्च स्तरीय जांच के आदेश, सोमवार तक हेली सेवा बंद। हिन्दुस्तान ने उप शीर्षक में लिखा है – खराब मौसम में विजिबिलिटी कम होने से गौरीकुंड के पास क्रैश हुआ हेलीकॉटर।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केदारनाथ हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मारे गए लोगों के प्रति शोक संवेदनाएं व्यक्त की हैं। नवोदय टाइम्स ने लिखा है – तीन देशों की विदेश यात्रा पर गए प्रधानमंत्री ने साइप्रस से मुख्यमंत्री धामी से फोन पर बातचीत कर हादसे की विस्तृत जानकारी ली।

पुणे में नदी पर बना पुल ढहने की खबर को भी सभी समाचार पत्रों ने प्राथमिकता से प्रकाशित किया है। दैनिक जागरण का शीर्षक है– पुणे में नदी पर बना लोहे का पुल ढहा, चार की मौत। अमर उजाला ने लिखा है– 18 से अधिक घायल, एनडीआरएफ ने 38 लोगों को नदी से बाहर निकाला।